कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 4080073

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय ...संस्कृत...

परीक्षा का दिन ...शुक्रवार...

दिनांक ...8/4/2022...

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर ...मनोहार मा... संकेतांक 60675

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021

Previous Pathshala

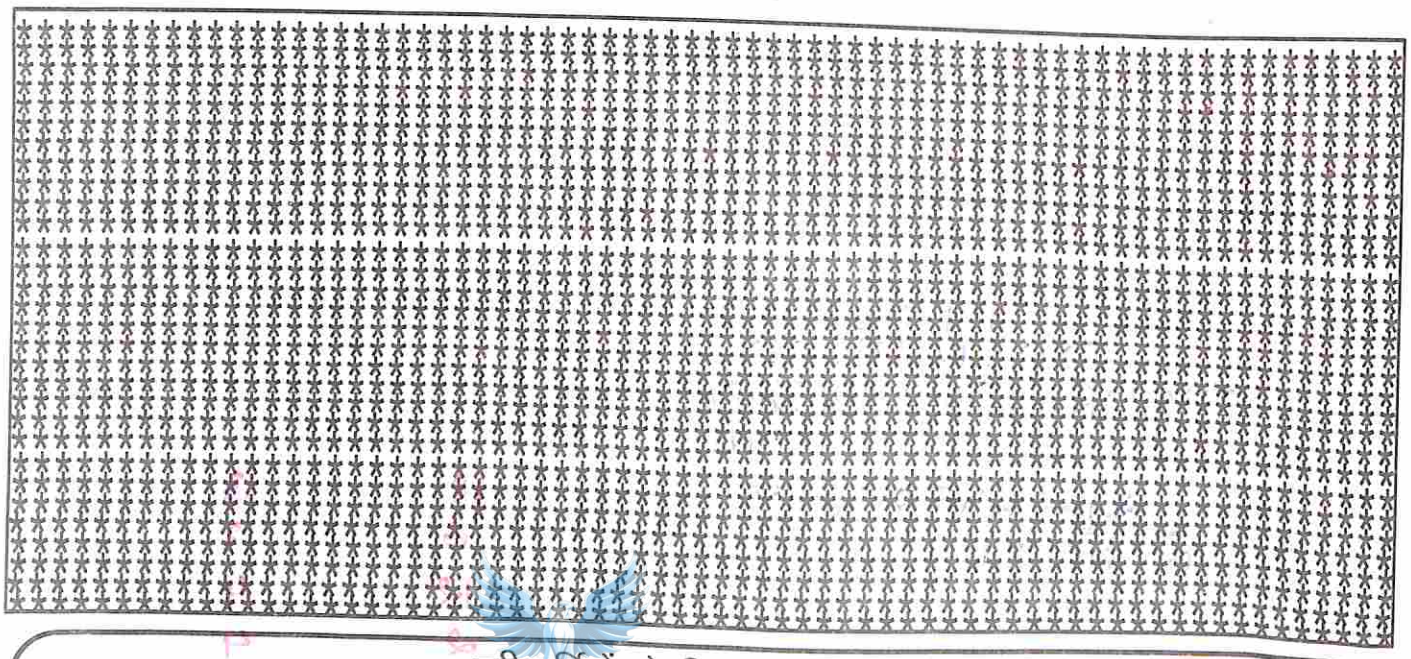

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
उत्तर 1 i)	12	(स) महानगरमध्ये
(ii)		(ब) बुद्धि
(iii)		(अ) लसल्लतिकात
(iv)		(स) हिमकर
(v)		(ब) क्षेत्रे
(vi)		(अ) सिंहस्य
(vii)		(द) आरक्षी
(viii)		(स) अन्योन्यसहयोगेन
(ix)		(द) क्रोध
(x)		(ब) दुर्बले सुते
(xi)		(अ) वनदा
(xii)		(द) व्याघ्रम
उत्तर 2 (अ) i)	6	छात्रेण
(ii)		पुत्राय

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ब) i) हरये

(ii) ~~शिक्षकम्~~ गुरुवम्

(स) i) पठनीयम्

(ii) बलवान्

उत्तर (3) (अ) i) स्त्री - शिक्षाया

(ii) स्त्रियो हि मातृशक्ते: प्रतीकभूता: भवन्ति।

(iii) स्त्रीणां कृते शिक्षाया: परमावश्यकता वर्तते।

(iv) देवता नार्य: रमन्ते।

(v) स्त्रीणाम्

(vi) सुशिक्षिता

(vii) (ग) स्त्रिय: इत्यस्य

(viii) समादर

(ix) ~~अच्छे वर्ग का~~ एक समान

(x) लट्लकार, प्रथमपुरुष, एकवचनम्

12

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		अथवा
	(क) i)	धूमम्
		अथवा
	(ii)	बंकिमचन्द्र चटर्जी
	उत्तर 4 i)	मनः + हरः - विसर्ग उत्व सन्धि
	(ii)	वाक् + ईशः - जश्त्व सन्धि
	उत्तर 5 i)	नमस्ते → विसर्ग सत्व सन्धि
	(ii)	हरिवन्दे → अनुस्वार सन्धि
	उत्तर 6 i)	दिनम् दिनम् प्रति इति प्रतिदिनम् - अव्ययीभाव समास
	(ii)	दश: आननः यस्य सः दशाननः ~~समास~~ (रावण) बहुव्रीहि समास
	उत्तर 7 i)	महापुरुषः → कर्मधारय समास
	(ii)	मातापितरौ → द्वन्द्व समास
	उत्तर 8 i)	निर् + बलः
	(ii)	आ + गमनम्
	उत्तर 9 i)	अपि

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
(ii)		उच्चैः
उत्तर (10) i)	2	150 → पञ्चाशताधिकशतम्
(ii)	1+1	1025 → पञ्चविंशत्याधिक एकसहस्त्रम्
उत्तर (11) i)	2	केन
(ii)	1+1	का
उत्तर (12)	2	फलच्छायासमन्वितः महावृक्षः सेवितव्यो । यदि दैवात् फलम् नास्ति छाया केन निवार्यते ।।
उत्तर (13) i)	2	नेत्रेण
(ii)	1+1	भिक्षुकाय
उत्तर (14) i)	2	सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता । उदये सविता रक्तो, रक्त श्चास्तमये तथा ।।
(ii)	1+1	शरीरायासजननम् कर्म व्यायामसंज्ञितम् । तत्कृत्वा तु सुखं देहं विमृद्नीयात् समन्ततः ।।
उत्तर (15)	2	एक देउल नामक गाँव था उसमें एक राजसिंह नामक राजा का पुत्र रहता था एक बार उसकी पत्नी बुद्धिमती किसी आवश्यक कार्य हेतु अपने पिता दोनों

BSER-168/2021

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

पुत्रो को लेकर अपने पिता के घर जाने लगी वह एक जंगल से गुजर रही थी। उसने एक बाघ को देखा और अपने दोनो पुत्रो को जोर से एक-एक थप्पड़ मारी। और बोली यह एक ही है दोनो क्यो कलह कर रहे हो। दोनो बाँटकर खा लेना फिर कोई दूसरा देखेगे। ऐसा सुनते ही बाघ ने सोचा कि यह कोई बाघ मारने वाली स्त्री है और वह वहां से भागने लगा। उसे देखकर एक सियार ने हँसते हुए बोला तुम क्यो भाग रहे हो तभी बाघ बोला जाओ-जाओ सियार तुम भी किसी गुप्त प्रदेश में चले जाओ यहा बाघ मारने वाली आ गयी है ऐसा शास्त्रो में सुना ही था। तब सियार बोला कि बड़ी विचित्र बात है कि तुम मनुष्यो से भी डरते हो हे बाघ तुम फिर से उस स्त्री के पास जाओ अगर वह तुम्हारी तरफ देख भी ले तो तुम मुझे मार देना। बाघ को सियार पर भरोसा नही था उसने सियार को भी अपने गले से बांध लिया। फिर से सियार को और बाघ को देखकर बुद्धिमती ने अपनी तर्जनी अंगुली दिखाकर डॉटी और बोली हे मुर्ख तुमने मुझे तीन बाघ देने का वचन किया था। तु एक ही लाया बताती है ऐसा सुनकर वह दोनो भाग गये और बुद्धिमती फिर से मुक्त हो गयी।

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर 16 (2) बिना मन्त्रम अक्षरम नास्ति, बिना औषधम मूल औषधम नास्ति च अयोग्यम पुरुष: नास्ति। सर्व योजक स्तत्र दुर्लभ:।

उत्तर 17 अथवा

गद्यांश

(3) प्रसंग → प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक शेमुषी द्वितिया भाग के के विचित्र साक्षी पाठ से लिया गया है यह ओमप्रकाश ठाकुर द्वारा रचित है। इसमे एक गरीब की दशा का वर्णन है।

व्याख्या → पैदल चलते हुए शाम हो गयी पर फिर भी वह अपने गन्तव्य स्थान से दूर ही था। रात के अन्धेरे मे किसी विजन प्रदेश मे पैदल जाना उचित नही है ऐसा सोचकर वह पास मे ही स्थित एक मे गांव मे किसी घर मे कुछ समय रहने के लिए चला गया। करुणाभरी बस्ती ने उसे आश्रय दे दिया।

उत्तर 18 (3) प्रसंग → पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक शेमुषी द्वितिया भाग के सुभाषितानी पाठ से लिया गया है इसमे समान शील वाला ही समान शील वाले के गुण जानता है इसके बारे मे बताया गया है।

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अनुवाद → गुणवान ही गुणी को जानता है गुणहीन गुणों को नही जानता है बलवान ही बल को जानता है बलहीन बल को नही जानता है, वसन्त ऋतु के गुण को कोयल ही जानती है कौआ उसे नही जानता है, सिंह के बल को हाथी ही जानता है चुहा उसे नही जानता है।

उत्तर (17)

अथवा

(3)

प्रसंग → प्रस्तुत पद्यांश गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक शेमुषी द्वितिया भाग के "सौहार्द प्रकृति शोभा" पाठ से लिया गया है इसमे अलग-अलग पक्षी जानवर अपने आप को दुसरे से बड़ा बता रहे है।

व्याख्या →

मयूर: अरे वानर! चुप रहो किस प्रकार तुम वन का राजा होने के योग्य हो, देखो, देखो मुझ मेरे सिर पर राजमुकुट के समान शिखा स्थापित है विधाता ने ही मुझे पक्षीयो का राजा बनाया है अब सभी मुझे वन का राजा देखने के लिए तैयार हो जाओ। अतः कोई भी विधाता के निर्णय को नही टाल सकता है।

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

काक :→ (व्यंग्यपूर्वक) अरे साँप को खाने वाले, नाचने के अलावा तुम्हारी क्या विशेषता है कि जो हम तुझे वनराज पद के योग्य माने।

उत्तर (20) (i) 3 एकस्मिन वने एकः सिंहः वसति स्म।
(ii) एकदा सः जाले बद्धः।
(iii) सः सम्पूर्ण प्रयासम् अकरोत् परं बन्धनात् न मुक्तः।
(iv) तदा तस्य स्वरं श्रु श्रुत्वा एकः मूषकः तत्र आगच्छत्
(v) मूषकः परिश्रमेण जालम् अकृन्तत
(vi) सिंहः जालात् मुक्तः भूत्वा मूषकं प्रशंसन् गहन गतवान्

उत्तर (21) (5) सेवायाम
श्रीमन्त प्रधानाचार्याय महोदया
राजकीय - उच्च - माध्यमिक - विद्यालय
चन्द्रपुरस्य

विषय :- दिनद्वयस्य अवकाशाय प्रार्थना पत्रम्

महोदया;
सविनय नम्रनिवेदनमस्ति अहं अद्य रुग्णोऽस्मि अतः अस्वस्थता अस्ति। अतः अहम विद्यालयम् आगन्तुम् न शक्नोमी।

Previous Pathshala

9

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अत माम् दिनद्वयस्य अवकाशाय दिनाक दिनांक २२/५/२०२२ तः २३/५/२०२२ पर्यन्तम् स्वीकृत्य अनुगृहीतम्

भवदीया आज्ञाकारी छात्रा
रेवती
कक्षाया -> दशमी

(5)

उत्तर (२) माता- व्योमकेश ! त्वं किम् करोषि ?

ओमेकेश -> अहं मम विद्यालयस्य गृहकार्यं करोमि ।

माता -> पुत्र गृहकार्यानन्तरम् आपणं गत्वा तत दुग्धं शाकफलानि च आनय

ओमकेश -> अहं सायंकाले पुस्तकं क्रेतुम् आपणं गमिष्यामि तदा दुग्धं शाकफलानि च आनेष्यामि ।

माता -> सायंकाले न, त्वं तु पूर्वमेव गत्वा आनय ।

ओमेकश -> शीघ्रं किमर्थम्

माता -> अद्य तव मातुलः आगमिष्यति, अतः भोजनम् समयात पूर्वमेव पक्ष्यामि ।

ओमेकश -> मातुलः आगमिष्यति चेत् अहम् इदानीम् एव गत्वा

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		वस्तूनि क्रीत्वा आगच्छामि।
उत्तर 2	5	
(iii)		मोहन रामेण सह गच्छति।
(iv)		विद्यालयम् परित: क्षेत्र आस्ति।
(v)		रमेश सिंहात् बिभेति
(vi)		कविषु कालिदास: श्रेष्ठ अस्ति। कविषु
1+1+1+1		

END

Previous Pathshala